आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 325 | उज्जैन, बुधवार 15 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

कोदो-कुटकी का पहली बार उपार्जन किये जाने का निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रमुख कोदो-कुटकी उत्पादक जिलों के कृषकों से पहली बार कोदो-कुटकी उपार्जन का किये जाने का निर्णय लिया, जिससे अधिक से अधिक जनजातीय कृषकों को फायदा होगा। इस के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रमुख कोदो-कुटकी उत्पादक जिलों जबलपुर, कटनी, मण्डला, डिंडोरी, छिंदवाडा, शहडोल, अनुपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी एवं सिंगरौली के कृषकों से कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। साथ ही अन्य जिलों से मांग आने पर उन जिले के कृषकों से भी उपार्जन किये जाने पर विचार किया जायेगा।

श्रीअन्न उत्पादक जिलों के कृषकों से श्रीअन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्रीअन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। खरीफ 2025 में उत्पादित श्रीअन्न कुटकी 3500 रूपये प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के मान से लगभग 30 हजार मेट्रिक टन का उपार्जन किया जायेगा। इसके लिए श्रीअन्न फेडरेशन को 80 करोड़ रूपये का ब्याज मुक्त ऋण शासन के मूल्य स्थिरीकरण कोष से प्रदाय किया जायेगा। इसके अतिरिक्त कृषको को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1000 रुपये प्रति क्विंटल के मान से संबंधित कृषकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय किये जायेंगे।

सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा खरीफ वर्ष 2025 में प्रदेश के सोयाबीन के किसानों को लाभांवित किये जाने के लिए भारत सरकार की प्राईज डिफिसिट पेमेन्ट स्कीम लागू की गयी है, जो प्रदेश में भावांतर योजना कहलायेगी। प्रदेश में सोयाबीन भावांतर योजनांतर्गत 24 अक्टूबर, 2025 से 15 जनवरी, 2026 तक सोयाबीन का विक्रय, राज्य की अधिसूचित मंडियों में किया जायेगा। प्रदेश की मंडियों में 14 दिवस के सोयाबीन के विक्रय मूल्य के औसत के आधार पर सोयाबीन के मॉडल रेट की गणना की जायेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य से विक्रय दर/मॉडल रेट अंतर की राशि पंजीकृत कृषकों के पोर्टल पर दर्ज बैंक खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से अंतरित की जायेगी।

पीस कीपिंग फोर्स गोंद, भारत सबका दोस्त, UNTCC सम्मेलन में बोले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को वैश्विक शांति मिशनों के सामने अभूतपूर्व चुनौतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि 56 से अधिक सक्रिय संघर्षों और 19 देशों की संलिप्तता के बीच वैश्विक व्यवस्था एक नाजुक मोड़ पर है।

नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के प्रमुखों के सम्मेलन में उन्होंने बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों और गैर-राज्य तत्वों के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि हाइब्रिड युद्ध, विघटनकारी तकनीकों और गलत सूचनाओं के प्रसार ने पारंपरिक युद्ध की सीमाओं को धुंधला कर दिया है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति सैनिकों को एकजुट, तेज और लचीला होना होगा। सेना प्रमुख ने शांति सैनिकों की भूमिका को एक सैन्य प्रदाता से कहीं अधिक बताया। जनरल द्विवेदी ने कहा, शांति सैनिक न केवल सुरक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि वे कूटनीतिज्ञ, तकनीकी उत्साही, और संघर्ष क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण करने वाले भी हैं। नीला हेलमेट (ब्लू हेलमेट) संयुक्त राष्ट्र मिशनों को एकजुट करने वाला गोंद है, जो गैर-सरकारी संगठनों और अन्य संस्थानों के साथ सहयोग को सुगम बनाता है।

नशे में धुत पुलिसकर्मी ने कार से कई लोगों को रौंदा, कॉन्स्टेबल समेत 6 लोग घायल

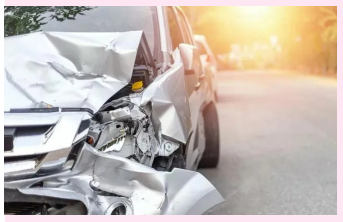

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में एक पुलिसकर्मी ने कई लोगों पर गाड़ी चढ़ा दी। इस हादसे में 6 लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय पुलिसकर्मी नशे की हालत में था। आरोपी को हिरासत में लेकर खून के सैंपल को जांच के लिए भेज दिया गया है।

यह हादसा रविवार की रात लगभग 11 बजे पुणे के रांजणगांव में हुआ। आरोपी पुलिसकर्मी की पहचान हेमंत इनाम के रूप में हुई है। हेमंत का कार पर से अचानक कंट्रोल खो गया और उसने 2 बाइक समेत पैदल चलने वालों को टक्कर मार दी।

लोगों ने सरेआम पीटा- पुलिस के अनुसार, हेमंत अपनी ड्यूटी खत्म करके घर के लिए निकला था। इस दौरान वो पुलिस की वर्दी में नहीं था। ऐसे में टक्कर के बाद जब लोगों ने उसे कार से बाहर निकाला, तो वो नशे में पूरी तरह से धुत था। ऐसे में स्थानीय लोगों ने उसे बुरी तरह से पीटा और फिर पुलिस के हवाले कर दिया।

इस हादसे में कांस्टेबल समेत 6 लोगों को चोट आई हैं। सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

हिजाब पहन कर स्कूल पहुंची छात्रा को नहीं मिली क्लास में एंट्री, हाईकोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्कूल में हिजाब पर बैन लगाने का मुद्दा एक बार फिर तूल पकड़ रहा है। केरल के एक स्कूल में छात्रा को हिजाब पहनकर जाने से रोक दिया गया, जिसके बाद इसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है।

यह मामला केरल के एर्नाकुलम का है। चर्च के द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल में एक मुस्लिम छात्रा हिजाब पहनकर पहुंची, जिसके चलते उसे स्कूल में एंट्री नहीं दी गई। छात्रा को हिजाब उतारने के लिए कहा गया, जिसपर अब बवाल खड़ा हो गया है।

छात्रा ने बताया पूरा मामला

छात्रा का कहना है, स्कूल में मुझे हिजाब पहनकर नहीं जाने दिया गया। उन्होंने मुझे कक्षा के दरवाजे पर खड़ा रखा और हिजाब उतारने के लिए कहा। शिक्षक बहुत सख्त हैं। मैं यहां नहीं पढ़ूंगी।

सियासी घमासान मचा- इसे लेकर छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रशासन में बहस छिड़ गई। PTA (Parents Teacher Association) के अध्यक्ष जोशी कैथावलप्पिल के अनुसार, हिजाब स्कूल के ड्रेस कोड के बिल्कुल खिलाफ है। उन्होंने इस पूरे मामले के पीछे सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया का हाथ बताया है, जो इस्लाम की पक्षधर है।

जोशी के अनुसार, इस घटना के पीछे SDPI के कार्यकर्ता शामिल हैं। वो इस तरह की चीजें लागू करना चाहते हैं और स्कूलों पर भी इसे मानने के लिए दबाव बनाते हैं।

गुजरात के स्कूल में नॉनवेज पार्टी के बाद बवाल, वीडियो वायरल होने के बाद टीचर सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में एक शिक्षक को विद्यालय परिसर में गेट टुगेदर का आयोजन करना महंगा पड़ गया। नगर प्राथमिक शिक्षा समिति ने शिक्षक को निलंबित कर दिया है। समिति ने शिक्षक पर विद्यालय परिसर में मांसाहारी भोजन परोसने और कार्यक्रम आयोजित करने का आरोप लगाया है।

दरअसल, मूल रूप से अंग्रेजी माध्यम का यह स्कूल पहले तेलुगु भाषा की कक्षाएं संचालित करता था, जिन्हें बाद में बंद कर दिया गया। इस बात की जानकारी नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कपाड़िया ने दी है।

जानकारी के अनुसार, स्कूल के प्रभारी शिक्षक प्रभाकर पहले तेलुगु पढ़ाते थे। तेलुगु विषय के रूप में तेलुगु को बंद करने के बाद, उन्हें अंग्रेजी माध्यम स्कूल का प्रभारी नियुक्त किया गया।

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कपाड़िया ने बताया कि स्कूल संख्या 342 में 9-10 साल पहले स्कूल से पास हुए पूर्व छात्रों के लिए स्कूल परिसर में एक गेट-टुगेदर का आयोजन किया था। पार्टी के दौरान, उन्होंने मेहमानों को चिकन से बने व्यंजन परोसे गया। शिक्षक को किया गया निलंबित

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष कपाड़िया ने बताया कि उन्हें इस कार्यक्रम के बारे में सोशल मीडिया से जानकारी मिली। स्कूल प्रभारी से संपर्क करने और खबरों की सत्यता की पुष्टि करने के बाद उन्होंने शिक्षक प्रभाकर के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया।

खतरनाक नक्सली वेणुगोपाल राव ने डाले हथियार, 60 अन्य नक्सलियों ने भी किया सरेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस को नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। खतरनाक नक्सली मल्लौजुला वेणुगोपाल राव (सोनू) ने 60 नक्सलियों के साथ पुलिस के सामने हथियार डाल दिए हैं। गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ लंबे समय से ऑपरेशन चला रखा है। नक्सलवाद को देश से पूरी तरह खत्म करने की मुहिम जारी है। इसी कड़ी में लगातार कई नक्सली सरेंडर करते नजर आ रहे हैं। सोनू ने पिछले महीने सितंबर में ही प्रेस रिलीज जारी करते हुए हथियार डालने के संकेत दिए थे।

भारत में AI हब पर 15 अरब डॉलर का निवेश करेगा गूगल, CEO सुंदर पिचाई ने पीएम मोदी को किया ब्रीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से बात की। पिचाई के अनुसार, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में अपने पहले एआई हब के लिए अमेरिकी तकनीकी दिग्गज की योजनाओं को साझा किया।

दरअसल, गूगल ने विशाखापत्तनम में एक विशाल डाटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस की घोषणा भी की। बता दें कि सेंटर अमेरिका के बाहर गूगल का यह सबसे बड़ा एआई हब होगा और अगले पांच वर्षों में भारत में 15 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

भारतीय मूल के सीईओ ने इस कदम को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह हब गीगावाट-स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, एक नया अंतर्राष्ट्रीय सबसी गेटवे और बड़े पैमाने पर ऊर्जा इंफ्रास्ट्रचर को एक साथ लाएगा।

सुंदर पिचाई ने किया पोस्ट- बता दें कि गूगल और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच समझौते पर हस्ताक्षर होने के तुरंत बाद गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि इसके माध्यम से हम अपनी उद्योग-अग्रणी प्रौद्योगिकी को भारत में उद्यमों और उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाएंगे, एआई नवाचार को गति देंगे और देश भर में विकास को गति देंगे।

गूगल और अदाणी ग्रुप की साझेदारी- एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, गूगल ने एआई डेटा सेंटर कैंपस के लिए अदानी समूह के साथ साझेदारी की है। यह देश में गूगल का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

कंपनी ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि यह भारत सरकार के विकसित भारत 2047 विजन के अनुरूप है, जिसके तहत एआई-संचालित सेवाओं के विस्तार में तेजी लाई जाएगी। बयान में आगे कहा गया कि इस पहल से भारत और अमेरिका दोनों के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अवसर पैदा होंगे और साथ ही एआई क्षमता में पीढ़ीगत बदलाव का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि आंध्र प्रदेश के गतिशील शहर विशाखापत्तनम में Google AI हब के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करता हूं। यह बहुआयामी निवेश, जिसमें गीगावाट-स्तरीय डेटा सेंटर अवसंरचना शामिल है, एक विकसित भारत के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में एक शक्तिशाली शक्ति होगी।

पता नहीं कौन जिंदा रहता, शहबाज शरीफ ने ट्रंप के सामने रोया ऑपरेशन सिंदूर का दुखड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की भर-भरकर तारीफ की है। शरीफ की बातें तारीफ से ज्यादा चाटुकारिता लग रही थी। मंच से शरीफ ने ट्रंप को मैन ऑफ पीस तक करार दे दिया।

पाकिस्तानी पीएम ने ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने के लिए क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने इसमें काफी अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप यह संघर्ष नहीं रुकवाते तो न जाने कितने लोगों की जान चली जाती।

ट्रंप की तारीफ में शरीफ के बोल- इसके बाद जब ट्रंप ने मंच पर भाषण देने आए तो वह अचानक पीछे मुड़े और शरीफ से कहा, क्या आप कुछ कहना चाहेंगे? वह कहिए जो आपने मुझसे उस दिन कहा था। इस पर शरीफ मंच पर आए और कहा, आज का दिन आधुनिक इतिहास के सबसे महान दिनों में से एक है, क्योंकि लगातार कोशिशों के बाद आखिरकार शांति हासिल हुई है। यह सब राष्ट्रपति ट्रंप की अगुवाई में हुआ, जो वास्तव में शांति के सच्चे समर्थक हैं और जिन्होंने दिन रात मेहनत कर इस दुनिया को शांति और समृद्धि की जगह बनाने की दिशा में काम किया है।

इतना ही नहीं, शहबाज शरीफ ने ट्रंप की तारीफ में ये भी कहा कि पाकिस्तान ने उन्हें शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया है, क्योंकि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकने और सीजफायर कराने में अहम योगदान दिया था। उन्होंने कहा, इतिहास आपको उस व्यक्ति के रूप में याद रखेगा, जिसने सात और अब 8 युद्धों को रोका है।

शरीफ ने ट्रंप को बताया दूरदर्शी नेता- पाकिस्तानी पीएम ने डोनल्ड ट्रंप को दूरदर्शी नेता बताया और कहा कि मैं आपकी दूरदर्शी और उदाहरणीय नेतृत्व की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा, आप इस समय दुनिया के सबसे जरूरी नेता हैं। भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और अगर ट्रंप ने चार दिनों के भीतर हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो युद्ध किस हद तक बढ़ता ये कोई नहीं जानता।

ट्रंप के दावे को भारत ने किया था खारिज- बता दें, ट्रंप ने कई ये दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को रुकवाया था। हालांकि, भारत ने स्पष्ट कहा है कि संघर्षविराम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत से हुआ और इसमें किसी तीसरे देश की भूमिका नहीं थी।

शाओमी की कार में अचानक लगी आग, दरवाजा लॉक होने से जिंदा जला ड्राइवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में एक कार हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। बीच सड़क पर कार अचानक आग का गोला बन गई और दरवाजा भी लॉक हो गया, जिसकी वजह से ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका और आग में जिंदा जल गया।

यह हादसा सोमवार को शाओमी की कार स7 इलेक्ट्रिक सेडान के साथ हुआ। चीन के चेंगदू शहर में कार ने पहले दूसरी कार को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में आग लग गई।

वीडियो वायरल- आग लगने के बाद कार का दरवाजा बंद हो गया। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि आसपास मौजूद लोग चाहकर भी इसे नहीं खोल सके और ड्राइवर जिंदा जल गया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

शाओमी के शेयर गिरे- सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सोमवार को शाओमी के शेयर में भारी गिरावट देखी गई। शाओमी के शेयर 8.7 प्रतिशत तक कम हो गए। अप्रैल के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक इस मामले पर चुप्पी साध रखी है।

पुलिस कर रही जांच- पुलिस की शुरुआती जांच में कार ड्राइवर की पहचान 31 वर्षीय देंग के रूप में हुई है। पुलिस को शक है कि ड्राइवर नशे में था। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, आग लगने के बाद कार का दरवाजा क्यों नहीं खुला? इसकी भी जांच की जा रही है।

738 दिन हमास की कैद से छूटे कपल का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2 साल यानी 738 दिन या 17,712 घंटे बाद जब एक कपल आपस में मिला, तो दोनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाते हुए किस करना शुरू कर दिया। यह वीडियो इजरायल से सामने आया है और प्रेमिका को गले लगाकर झूमने वाला व्यक्ति पिछले 2 साल से हमास की कैद में था।

इजरायल और हमास के बीच शांति समझौते के बीच हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा किया है। इस लिस्ट में एक नाम अविनातन का भी शामिल है। 7 अक्टूबर 2025 को इजरायल पर हमले के बाद हमास ने अविनातन और अर्गमानी को भी बंदी लिया था।

हमास ने किया था किडनैप- दरअसल 7 अक्टूबर 2023 को अर्गमानी और अविनातन नोवा संगीत समारोह में पहुंचे थे। इसी बीच हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया। हमले के बाद पूरे समारोह में भगदड़ मच गई और कपल अलग हो गया।

हमास के लड़ाके अर्गमानी को बाइक पर जबरन बैठाकर अपने साथ गाजा ले गए। अर्गमानी लगातार अविनातन के बारे में पूछ रही थी, उसे नहीं पता था कि अविनातन क साथ क्या हुआ? अविनातन जिंदा भी है या नहीं और अगर है तो कहां है?

पिछले साल रिहा हुई थीं अर्गमानी- चीनी मूल की इजरायली नागरिक अर्गमानी को इजरायली सेना ने पिछले साल 245 दिनों की कैद के बाद रिहा करवाया। तभी से अर्गमानी इजरायल के बंधकों को छोड़ने की गुहार लगा रही हैं।

चीन में लगे भूकंप के झटके, 10KM की गहराई पर रहा केंद्र; कितनी थी तीव्रता?

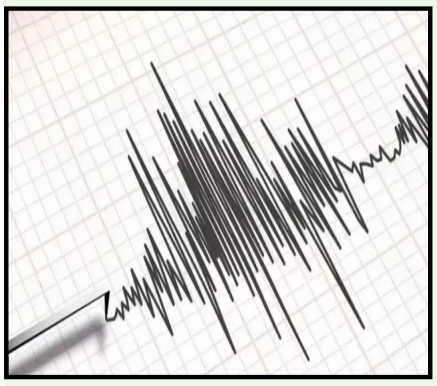

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के झिंजियांग में मंगलवार सुबह 4.2 तीव्रता का भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के बाद लोगों में दहशत फैल गई और वह घरों से बाहर निकल आए।

जानकारी के मुताबिक, भूकंप सुबह 8-45 बजे आया। भकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इस बात की जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने दी।

उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में ज्यादा खतरनाक- उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में ज्यादा खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंपों से आने वाली भूकंपीय तरंगों की सतह तक पहुंचने की दूरी कम होती है, जिसके परिणामस्वरूप जमीन का कंपन ज्यादा होता है और इमारतों को ज्यादा नुकसान और ज्यादा हताहत होने की संभावना होती है।

मशहूर फलस्तीनी इंफ्लुएंसर की गाजा हिंसा में मौत, 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास के हमले का मनाया था जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। फलस्तीन के जाने-माने प्रदर्शनकारी और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की हत्या कर दी गई। मिस्टर फाफो के नाम से मशहूर इंफ्लुएंसर की पहचान 27 वर्षीय सालेह-अल-जफरावी के रूप में हुई है। गाजा में हमास और फलस्तीनी गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें सालेह की मौत हो गई।

हमास के हमले पर मनाया था जश्न- सालेह स्न्न्न्न्न्न के नाम मशहूर था। बीते दिनों उसने इजरायली मीडिया में भी खूब सूर्खियां बटोरीं थीं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 के लगभग लोग मारे गए थे और हमास ने कई इजरायली नागरिकों को बंधक बना लिया था। इस हमले को 2 साल पूरे होने पर 7 अक्टूबर 2025 को सालेह ने खूब जश्न मनाया था।

मौत पर मिलीजुली प्रतिक्रिया- सालेह की मौत पर इजरायल और गाजा में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। वो अक्सर गाजा में इजरायली हमले से मची तबाही की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते थे।

ऐसे में कई इजरायलियों ने सालेह को हमास का समर्थक बताते हुए उसकी मौत पर खुशी जताई है। मगर, कई लोग उनकी मौत पर दुखी हैं। उनका मानना है कि सालेह गाजा की आवाज को दुनिया तक पहुंचाने का काम कर रहे थे।

कैसे हुई मौत- सालेह के शव की फोटो भी सोशल मीडिया पर सामने आई है। इसके अनुसार, सालेह हाजा में हिंसक झड़पों को कवर कर रहे थे, तभी वो खुद हिंसा का शिकार हो गए और उनकी मौत हो गई।

हमास की कैद में इकलौते हिंदू बिपिन जोशी की मौत, इजरायली सेना को सौंपा गया शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की अगवाई में इजरायल और हमास के बीच शांति प्रस्ताव पर बातचीत जारी है। हमास ने इजरायल के 20 बंधकों को रिहा कर दिया है। हालांकि, इस सूची में नेपाली हिंदू छात्र बिपिन जोशी का नाम मौजूद नहीं है। हमास ने उसकी हत्या कर दी है।

इजरायल में नेपाल के राजदूत धन प्रसाद पंडित ने इस खबर पुष्टि की है। उनका कहना है कि हमास ने बिपिन का शव इजरायल को सौंप दिया है।

धन प्रसाद पंडित के अनुसार, हमास ने बिपिन जोशी का शव इजरायली सेना को सौंपा है, उसे तेल अवीव (इजरायल की राजधानी) लाया जा रहा है।

हमास ने 4 शव सौंपे- इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन के अनुसार, हमास ने 4 बंधकों के शव दिए हैं, जिनमें बिपिन जोशी का शव भी शामिल है। हमास ने इन सभी बंधकों को मौत के घाट उतार दिया।

बिपिन के शव को नेपाली अधिकारियों को सौंपने से पहले डीएनए टेस्टिंग की जाएगी। नेपाली दूतावास की देखरेख में बिपिन का अंतिम संस्कार भी इजरायल में ही किया जाएगा।

पढ़ाई के लिए गया था इजरायल- बिपिन जोशी, नेपाल के एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखता था। सितंबर 2023 में वो 16 अन्य छात्रों के साथ इजरायल गया था। सभी छात्र गाजा बॉर्डर के पास किबुत्ज अलुमिम कृषि से जुड़ी पढ़ाई के लिए पहुंचे थे।

आप स्मोकिंग छोड़ दीजिए..., तुर्किए के राष्ट्रपति की मेलोनी से खास अपील; इटली की पीएम ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को मिडिल ईस्ट में वैश्विक नेताओं का जमावड़ा देखने को मिला। वैश्विक नेता व्यापक मध्य पूर्व शांति के लिए समाधान खोजने के लिए एक मंच पर एकत्रित हुए। हालांकि, इसी दौरान कुछ ऐसा नजारा देखने को मिला जो सामान्य से अलग था। दरअसल, मिस्र में गाजा शांति शिखर सम्मेलन के दौरान गाजा में युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से आयोजित एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान किर्ए के राष्ट्रपति राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से एक गजब की डिमांड कर दी। इस डिमांड की से खुद पीएम मेलोनी भी हैरान रह गईं।

तुर्की के राष्ट्रपति की जॉर्जिया मेलोनी से खास अपील- एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान तुर्किए के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने इटली की पीएम से कहा कि वह उनके लिए धूम्रपान छोड़ने का कोई रास्ता निकालेंगे। हालांकि, इस सवाल के बाद जॉर्जिया मेलोनी भी हैरान रह गईं।

बता दें कि इहलास समाचार एजेंसी की ओर से सामने आए वीडियो में देखा गया कि एर्दोगन मेलोनी से कह रहे हैं कि मैंने आपको विमान से उतरते हुए देखा। आप काफी खूबसूरत लग रही हैं। लेकिन आपको धूम्रपान छोड़ना चाहिए। जैसे हुए तुर्किए के राष्ट्रपति ने इटली की पीएम से ये बातें कहीं; उनके बगल में खड़े फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एर्दोगन की उम्मीदों पर पानी फेरने की कोशिश की और हंसते हुए कहा,यह नामुमकिन है!

देश की प्रमुख कर्मशियल ट्रिब्युनलों की हालत की समीक्षा करने वाली रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदालतों का बोझ कम करने, भारत के आर्थिक प्रशासन में निवेशकों का भरोसा पक्का करने के लिए विशेष दक्षता के साथ विवादों का समाधान करने के उद्देश्य से स्थापित की गई कामर्शियल ट्रिब्युनल्स अपने उद्देश्य में खरी नहीं उतर रही हैं। देश की प्रमुख कामर्शियल ट्रिब्युनलों (वाणिज्यिक न्यायाधिकरणों) जैसे एनसीएलटी, एनसीएलएटी, डीआरटी, आइटीएटी, टीडीसैट, सैट आदि में कुल करीब 3.56 लाख विवाद लंबित हैं जिनमें 24.72 लाख करोड़ रुपये फंसे हैं जो कि भारत की 2024-2025 की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 7.48 प्रतिशत है।

किन सुधारों की है जरूरत- जिन समस्याओं के समाधान के लिए कार्मशियल ट्रिब्युनलों की स्थापना हुई थी आज वे उन्हीं समस्याओं का सामना कर रही हैं। कामर्शियल ट्रिब्युनलों की खामियां दूर करने और उन्हें प्रभावी बनाने के लिए स्टेमेटिक सुधारों की जरूरत है। कार्मशियल ट्रिब्युनल्स की स्थिति का ताजा हाल कानूनी मामलों के थिंक टैंक दक्ष की ताजा रिपोर्ट में सामने आता है।

विभिन्न कामर्शियल ट्रिब्युनलों में दबाव के कारण अलग अलग हैं लेकिन रिपोर्ट प्रणालीगत (सिस्टेमेटिक) कमजोरी की एक जैसी कहानी की ओर संकेत करती है। जैसे उदाहरण के लिए नेशनल कंपनी ला ट्रिब्युनल (एनसीएलटी) में किसी विवाद को निपटाने की विधायी समय सीमा 330दिन की है जबकि एक केस निबटने में औसतन 752 दिन लगते हैं। एनसीएलटी और एनसीएलएटी (नेशनल कंपनी ला अपीलीय ट्रिब्युनल) दोनों ही संविदा कर्मचारियों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। एनसीएलटी में कुल कर्मचारियों में 88 प्रतिशत और एनसीएलएटी में कुल कर्मचारियों के 84.9 प्रतिशत संविदा कर्मचारी हैं जबकि कंपटीशन ला और दिवालिया कानून में विशेषज्ञता की कमी बनी हुई है।

डिजिटल अरेस्ट को अंजाम देने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बड़ी जानकारी खबर सामने आई है। यहां पर एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ हुआ है। कॉल सेंटर में काम कर रहे संदिग्धों ने देश भर के युवकों और युवतियों को नौकरी के लालच में फंसाया।

इस पूरे प्रकरण में 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि साइबिट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड नाम के इस कॉल सेंटर में लड़के और लड़कियों को नौकरी के नामों में फंसाया। इस दौरान इन युवक और युवतियों को साइबर धोखाधड़ी का प्रशिक्षण दिया गया और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने का निर्देश दिया।

लोगों को बनाया गया साइबर क्राइम का शिकार- बताया जा रहा है कि इस कॉल सेंटर से लोगों को साइबर क्राइम का शिकार बनाया गया और पीड़ितों को नशीली दवाओं के अपराधों और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मनगढ़ंत आरोपों की धमकी दी गई और बताया गया कि जांच एजेंसियों या पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए हैं। बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले में भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले को लेकर एक बयान जारी किया है।

दोहा से हॉन्गकॉन्ग जा रही Qatar Airways की फ्लाइट अचानक पहुंची अहमदाबाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दोहार से हॉन्गकॉन्ग जा रही कतर एयरवेज की फ्लाइट Qr816 को मंगलवार दोपहर अहमदाबाद एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग करनी पड़ी। यह फ्लाइट सुबह करीब 9 बजे दोहा के हमाद एयरपोर्ट से उड़ी थी और दोपहर लगभग 2.40 बजे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। एयरपोर्ट अधिकारी ने बताया कि बीच हवा में कुछ तकनीकी समस्या आने के कारण फ्लाइट को सावधानी के तौर पर अहमदाबाद मोड़ दिया गया। अधिकारी ने कहा, विमान सुरक्षित रूप से उतरा है। अब इसकी पूरी जांच के बाद ही उड़ान फिर शुरू करने का फैसला लिया जाएगा।

घोषित की गई इमरजेंसी- एयरपोर्ट प्रवक्ता के मुताबिक, दोपहर 2.12 बजे फ्लाइट के लिए फुल इमरजेंसी घोषित की गई थी, ताकि विमान सुरक्षित रूप से उतर सके।

लैंडिंग के बाद इमरजेंसी हटा दी गई। प्रवक्ता ने बताया कि हवाई अड्डे के सामान्य संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

क्रेडिट कार्ड से सिर्फ शॉपिंग नहीं... गिनीज बुक में भी नाम करा सकता है दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप सोचते हैं कि क्रेडिट कार्ड सिर्फ शॉपिंग या बल भरने के लिए होते हैं, तो मनीष धमेजा की कहानी आपका नजरिया बदल देगी। उन्होंने क्रेडिट कार्ड को एक कमाई का जरिया बना दिया है और इसी वजह से 30 अप्रैल 2021 को उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

मनीष के पास 1638 वैध क्रेडिट कार्ड हैं, जो सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि स्मार्ट फाइनेंशियल प्लानिंग का हिस्सा हैं। वे इन कार्ड्स का उपयोग रिवॉर्ड प्वाइंट्स, कैशबैक, ट्रैवल बेनिफिट्स और होटल ऑफर्स के लिए करते हैं, वो भी बिना किसी कर्ज के।

क्रेडिट कार्ड से क्या-क्या मिलता है फायदा- मनीष का कहना है, मुझे क्रेडिट कार्ड से प्यार है। इनके जरिए मुझे फ्री ट्रैवल, एयरपोर्ट और रेलवे लाउंज एक्सेस, होटल वाउचर, मूवी टिकट, स्पा, फ्यूल और गोल्फ सेशन जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

वे अपने कार्ड्स से एयर माइल्स और रिवॉर्ड प्वाइंट्स जुटाकर उन्हें डिजिटल इनकम में बदलते हैं। उनकी ये सोच दिखाती है कि अगर वित्तीय योजना समझदारी से बनाई जाए, तो खर्च करने वाला साधन भी कमाई का जरिया बन सकता है।

नोटबंदी में क्रेडिट कार्ड को बनाया हथियार- मनीष ने 2016 की नोटबंदी को याद करते हुए बताया कि जब लोग बैंकों और एटीएम के बाहर लाइन में लगे थे, तब उन्होंने क्रेडिट कार्ड्स से डिजिटल पेमेंट्स के जरिए बिना परेशानी के खर्च किया। उन्होंने कहा, उस समय मुझे नकद की जरूरत ही नहीं पड़ी, क्योंकि सबकुछ क्रेडिट कार्ड से आराम से हो गया।

कहां से ली शिक्षा- बता दें, मनीष धमेजा ने CSJM यूनिवर्सिटी कानपुर से BCA, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ से MCA और IGNOU से मास्टर ऑफ सोशल वर्क किया है। उनकी कहानी बताती है कि अगर टेक्नोलॉजी और फाइनेंस को समझदारी से जोड़ा जाए तो साधारण चीजें भी असाधारण सफलता दिला सकती हैं।

गुजरातः भावनगर में डॉक्टर ने की आत्महत्या, अपने ही अस्पताल में फंदे से झूलता मिला शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर के कालूभा इलाके से मंगलवार को बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया ही। यहां शहर के बेहद जाने-माने ईएनटी (कान-नाक-गला विशेषज्ञ) डॉ। राजेश रंगलानी ने अज्ञात कारणों से आत्महत्या कर ली।

डॉक्टर की मौत से पूरे इलाके में शोक कि लहर छा गई। शुरूआती जांच के अनुसार, डॉ। राजेश रंगलानी ने कलुभा रोड पर काला नाला के पास सूर्यदीप कॉम्प्लेक्स स्थित अपने ही अस्पताल में फांसी लगाकर या किसी अन्य तरीके से आत्महत्या कर ली।

डॉक्टर राजेश रंगलानी ने की आत्महत्या- घटना की सूचना मिलते ही शहर में हड़कंप मच गया, क्योंकि डॉ। रंगलानी अपनी विशेषज्ञ सेवाओं के लिए जाने जाते थे साथ ही वो शहर के प्रमुख डॉक्टरों में से एक थे। डॉ। राजेश रंगलानी का ये आत्मघाती कदम चिकित्सा जगत के लिए एक स्तब्ध कर देने वाली खबर है। उनके असामयिक निधन की खबर मिलते ही उनके साथी डॉक्टरों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में मरीजों में शोक की लहर दौड़ गई।

अस्पताल में फंदे से झूलता मिला शव- डॉक्टर ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी सटीक वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। यह भी साफ नहीं हो पाया है कि पुलिस को इस मामले में कोई सुसाइड नोट भी मिला है या नहीं। पुलिस ने गहन जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस का एक काफिला तुरंत सूर्यदीप कॉम्प्लेक्स पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल की गहन जांच की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले गई।

पुलिस ने शुरू की जांच- पुलिस ने अब आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है साथ ही पुलिस डॉक्टर के निजी और पेशेवर जीवन के पहलुओं की जांच कर रही है। डॉक्टर के परिवार, करीबी दोस्तों और चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों से पूछताछ करके आत्महत्या के रहस्यमय कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

संघीय ढांचे का क्या होगा, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु शराब घोटाले में ED को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच पर कड़े सवाल उठाए। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड से जुड़े इस मामले में कोर्ट ने ED से पूछा कि क्या वह राज्य सरकार के जांच के अधिकार को छीन नहीं रही।

मार्च में हुई छापेमारी और आपत्तिजनक सामग्री मिलने के दावों पर कोर्ट ने श्वष्ठ को जवाब देने को कहा। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच ने सवाल उठाया, जब राज्य पहले ही मामले की जांच कर रहा हो, तो क्या ED को खुद जांच करने का हक है?

ED ने दावा किया कि उसने TASMAC के संचालन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और 1,000 करोड़ रुपये की बिना हिसाब की नकदी का पता लगाया है। लेकिन तमिलनाडु की डीएमके सरकार और TASMAC ने ED की कार्रवाई को चुनौती दी, यह कहते हुए कि जब कोई प्राथमिकी TASMAC के खिलाफ नहीं है, तो श्वष्ठ को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत कार्रवाई का अधिकार नहीं है।

संघीय ढांचे पर सवाल और गोपनीयता का हनन- सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और मुकुल रोहतगी ने तमिलनाडु सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य ने पहले ही 47 प्राथमिकियां दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, तो ED बीच में क्यों आ रही है?

सिब्बल ने PMLA की धारा 66(2) का हवाला दिया, जो कहती है कि अगर ED को किसी अन्य कानून के उल्लंघन का सबूत मिलता है, तो उसे संबंधित प्राधिकरण के साथ जानकारी साझा करनी चाहिए। रोहतगी ने TASMAC कर्मचारियों की गोपनीयता के हनन पर सवाल उठाया, खासकर महिला कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त करने और उन्हें हिरासत में रखने की कार्रवाई पर।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

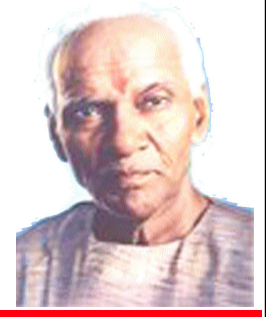

विक्रम संवत 2079 कृष्ण नवमी

संपादकीय

आने वाले कुछ महीनों तक शहनाइयों की गूंज और शादियों की चमक-दमक बनी रहेगी...

विवाह शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। आने वाले कुछ महीनों तक शहनाइयों की गूंज और शादियों की चमक-दमक बनी रहेगी। आप में से भी ऐसे कई लोग होंगे, जिनके घर शादी के न्योते आ चुके होंगे या जिनके घर में ही शादी होगी। ईश्वर में यही कामना है कि आपके घर का आयोजन हंसी-खुशी संपन्न हो। लेकिन अपने इस आयोजन को पारिवारिक मेल-जोल का जरिया बनाने का प्रयास करेंगे तो यह ज्यादा सफल बन सकेगा....।

क्योंकि आजकल हमारे यहाँ बड़ी-बड़ी और महँगी शादियाँ करना एक चलन बन गया है, इसे व्यक्ति की प्रतिष्ठा से जोड़ा जाने लगा है। जो जितनी महँगी शादी का आयोजन कर रहा है, उसे समाज में उतना ही संपन्न माना जाएगा। बात सिर्फ महँगी शादी की नहीं है। शादी जितने दिन तक चलेगी उसे उतनी ज्यादा मान्यता दी जाएगी, जिसमें छोटी-छोटी रस्मों के लिए भी बड़े-बड़े आयोजन होना जरुरी है। फिर हर आयोजन के अनुसार अलग-अलग पहह्यनावा जैसे मेहंदी के लिए हरे कपड़े, हल्दी की रस्म में शामिल होना है तो पीले रंग के कपड़े, उस पर कुछ पाश्चात्य संस्कृति का भी दिखावा करने के लिए कॉकटेल पार्टी, बॉलीवुड के किसी समारोह की तरह दिखने वाला संगीत का समारोह, इतना होना तो आवश्यक है। इन आयोजनों का खर्च जितना मेजबान पर भारी पड़ता है, उससे ज्यादा महंगे ये मेहमान के लिए भी साबित होते हैं। आपको जिस आयोजन में शामिल होना है, उसके हिसाब से कपड़े होना चाहिए, और अगर नजदीकी रिश्तेदार के यहाँ शादी है, तो फिर पूरा परिवार ही जाएगा। मतलब जितने लोग उतने ही नए कपड़े होना जरुरी है। अब जितने अलग प्रकार के कपड़े उतना ही बनाव-श्रृंगार का सामान भी चाहिए। फिर आप शादी में खाली हाथ तो नहीं जाएँगे। मतलब शगुन या तोहफे का भी खर्च जोडिए। जब शादी इतनी भव्य की जा रही है तो भेंट भी वैसी ही होनी चाहिए।

इसके अलावा मशहूर हस्तियों को देखकर आजकल डेस्टिनेशन वेडिंग का एक नया ट्रेंड चला है, लोग अपने शहर से दूर जाकर शादियाँ करने लगे हैं, जिसमें गिनती के मेहमानों को बुलाया जाता है। मतलब आप किसी के बहुत ही करीबी होंगे तो ही आपका नाम मेहमानों की लिस्ट में दर्ज किया जाएगा। अब जब आप इतने करीब के रिश्तेदार हैं, तो जाना आवश्यक है। लेकिन मान लीजिए कि डेस्टिनेशन वेडिंग का डेस्टिनेशन आपके शहर से बहुत दूर है, तो सभी रस्मों में शामिल होने के लिए बनाव श्रृंगार का खर्चा तो बढ़ा ही और अब आने-जाने का खर्च अलग से....। यह चलन मेहमान और मेजबान के लिए महंगा तो है ही लेकिन इसका एक पक्ष ये भी है कि इससे रिश्तों में दूरियां आ रही है। जिन्हें नहीं बुलाया गया उनके मन ये विचार आना तो स्वाभाविक है कि हम करीब नहीं इसलिए हमें नहीं बुलाया गया ये आपकी एक नकारात्मक छवि बनाता है और रिश्तों में दरार का कारण बनता है।

आजकल शादियों में दिखावा बहुत आम हो गया है। इस दिखावे के चलते शादीयों में कई प्रकार के पकवान बनवाए जाते हैं। स्टॉल्स अलग, मेन कोर्स अलग, उसमें भी हर चीज़ के कई विकल्प तीन प्रकार की सब्जियां और पांच तरह की मिठाइयाँ होना तो जरुरी हो गया है। सब मिलकर इतना खाना हो जाता है जितना एक आम व्यक्ति एक बार में शायद ही खा पाए। नतीजा ये होता है कि खाने की बर्बादी होती है। लोग शौक-शौक में ढेर सारा खाना ले लेते हैं फिर न खा पाने की स्थिति में ये सारा खाना व्यर्थ जाता है। खाना बचता भी बहुत है, जिसे कई बार फेक दिया जाता है। इससे नुकसान तो होता ही है साथ ही अन्न का अपमान होता है।

अब्दुल कलाम

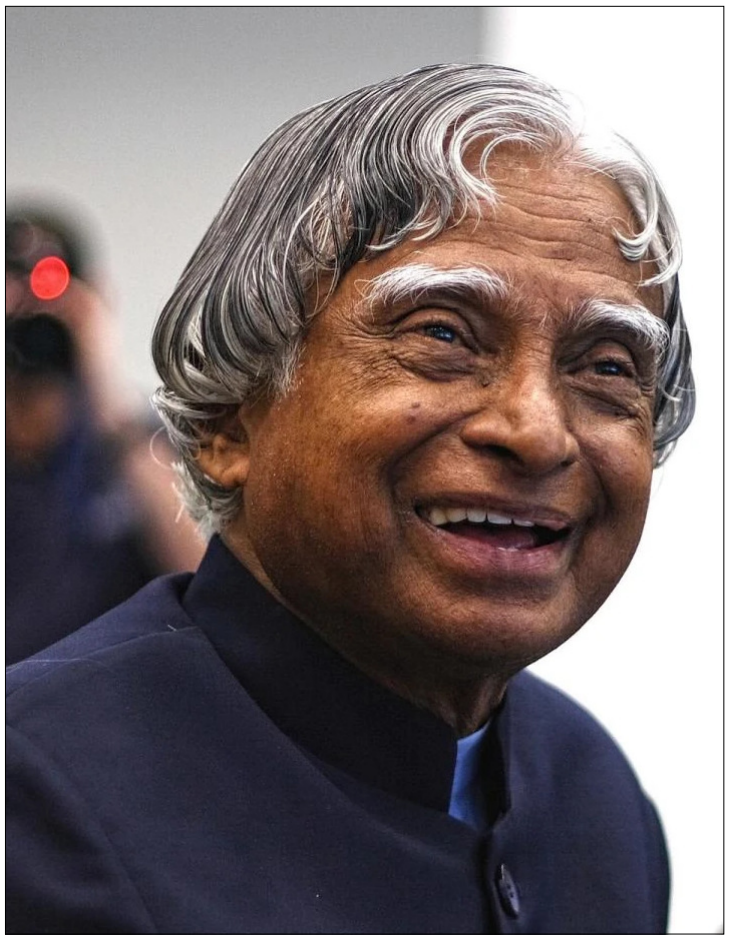

अवुल पकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम जिन्हें डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के नाम से जाना जाता है, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रसिद्ध वैज्ञानिक और अभियंता के रूप में विख्यात थे। उनका राष्ट्रपति कार्यकाल 25 जुलाई, 2002 से 25 जुलाई, 2007 तक रहा। उन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है। वह एक गैर राजनीतिक व्यक्ति थे। विज्ञान की दुनिया में चमत्कारिक प्रदर्शन के कारण ही राष्ट्रपति भवन के द्वार उनके लिए स्वतः ही खुल गए। जो व्यक्ति किसी क्षेत्र विशेष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है, उसके लिए सब सहज हो जाता है और कुछ भी दुर्लभ नहीं रहता। अब्दुल कलाम इस उद्धरण का प्रतिनिधित्व करते नज़र आते थे। उन्होंने विवाह नहीं किया था। उनकी जीवन गाथा किसी रोचक उपन्यास के नायक की कहानी से कम नहीं है। चमत्कारिक प्रतिभा के धनी अब्दुल कलाम का व्यक्तित्व इतना उन्नत था कि वह सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदायों के व्यक्ति नज़र आते थे। वह एक ऐसे स्वीकार्य भारतीय थे, जो सभी के लिए एक महान् आदर्श बन चुके हैं। विज्ञान की दुनिया से देश का प्रथम नागरिक बनना कपोल कल्पना मात्र नहीं है, क्योंकि यह एक जीवित प्रणेता की सत्य कथा है।

जीवन परिचय- अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉक्टर अवुल पाकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम था। उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को रामेश्वरम तमिलनाडु में हुआ था। द्वीप जैसा छोटा सा शहर प्राकृतिक छटा से भरपूर था। शायद इसीलिए अब्दुल कलाम जी का प्रकृति से बहुत जुड़ाव रहा था।रामेश्वरम का प्राकृतिक सौन्दर्य समुद्र की निकटता के कारण सदैव बहुत दर्शनीय रहा है। उनके पिता जैनुलाब्दीन न तो ज़्यादा पढ़े-लिखे थे, न ही पैसे वाले थे। वे नाविक थे, और नियम के बहुत पक्के थे। उनके पिता मछुआरों को नाव किराये पर दिया करते थे। उनके संबंध रामेश्वरम के हिन्दू नेताओं तथा अध्यापकों के साथ काफ़ी स्नेहपूर्ण थे। अब्दुल कलाम ने अपनी आरंभिक शिक्षा जारी रखने के लिए अख़बार वितरित करने का कार्य भी किया था।

विद्यार्थी जीवन- अब्दुल कलाम जब आठ-नौ साल के थे, तब से सुबह चार बजे उठते थे और स्नान करने के बाद गणित के अध्यापक स्वामीयर के पास गणित पढ़ने चले जाते थे। स्वामीयर की यह विशेषता थी कि जो विद्यार्थी स्नान करके नहीं आता था, वह उसे नहीं पढ़ाते थे। स्वामीयर एक अनोखे अध्यापक थे और पाँच विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष निःशुल्क ट्यूशन पढ़ाते थे। इनकी माता इन्हें उठाकर स्नान कराती थीं और नाश्ता करवाकर ट्यूशन पढ़ने भेज देती थीं। अब्दुल कलाम ट्यूशन पढ़कर साढ़े पाँच बजे वापस आते थे। उसके बाद अपने पिता के साथ नमाज़ पढ़ते थे। फिर कुरान शरीफ़ का अध्ययन करने के लिए वह अरेशिक स्कूल (मदरसा) चले जाते थे। इसके पश्चात्त अब्दुल कलाम रामेश्वरम के रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर जाकर समाचार पत्र एकत्र करते थे।

कार्यक्षेत्र- 1962 में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में आये। डॉक्टर अब्दुल कलाम को प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह (एस.एल.वी. तृतीय) प्रक्षेपास्त्र बनाने का श्रेय हासिल है। जुलाई 1980 में इन्होंने रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा के निकट स्थापित किया था। इस प्रकार भारत भी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया। इसरो लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम को परवान चढ़ाने का श्रेय भी इन्हें प्रदान किया जाता है। डॉक्टर कलाम ने स्वदेशी लक्ष्य भेदी (गाइडेड मिसाइल्स) को डिज़ाइन किया। इन्होंने अग्नि एवं पृथ्वी जैसी मिसाइल्स को स्वदेशी तकनीक से बनाया था। डॉक्टर कलाम जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव थे। उन्होंने स्ट्रेटेजिक मिसाइल्स सिस्टम का उपयोग आग्नेयास्त्रों के रूप में किया।

व्यावसायिक परिचय- डॉ. अब्दुल कलाम जब एच.ए.एल. से एक वैमानिकी इंजीनियर बनकर निकले तो उनके पास नौकरी के दो बड़े अवसर थे। ये दोनों ही उनके बरसों पुराने उड़ान के सपने को पूरा करने वाले थे। एक अवसर भारतीय वायुसेना का था और दूसरा रक्षा मंत्रालय के अधीन तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय का था। उन्होंने दोनों जगहों पर साक्षात्कार दिया। वे रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय में चुन लिए गए। सन् 1958 में इन्होंने 250 रुपए के मूल वेतन पर निदेशालय के तकनीकी केंद्र (उड्डयन) में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर काम संभाल लिया।

विशेष योगदान- फ़रवरी, 1982 में डॉ. अब्दुल कलाम को डी.आर.डी.एल का निदेशक नियुक्त किया गया। उसी समय अन्ना विश्वविद्यालय, मद्रास ने इन्हें डॉक्टर आफ साइंस की मानक उपाधि से सम्मानित किया। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करने के क़रीब बीस साल बाद यह मानद उपाधि डॉ. अब्दुल कलाम को प्राप्त हुई। डॉ. अब्दुल कलाम ने रक्षामंत्री के तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. वी. एस. अरूणाचलम के मार्गदर्शन में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (आई.जी.एम.डी.पी.) का प्रस्ताव तैयार किया। स्वदेशी मिसाइलों के विकास के लिए एक स्पष्ट और सुपरिभाषित मिसाइल कार्यक्रम तैयार करने के उद्देश्य से डॉ. अब्दुल कलाम की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई।

राजनीतिक जीवन- डॉक्टर अब्दुल कलाम राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्ति नहीं हैं लेकिन राष्ट्रवादी सोच और राष्ट्रपति बनने के बाद भारत की कल्याण संबंधी नीतियों के कारण इन्हें कुछ हद तक राजनीतिक दृष्टि से सम्पन्न माना जा सकता है। इन्होंने अपनी पुस्तक इण्डिया 2020 में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट किया है। यह भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर राष्ट्र बनते देखना चाहते हैं और इसके लिए इनके पास एक कार्य योजना भी है। परमाणु हथियारों के क्षेत्र में यह भारत को सुपर पॉवर बनाने की बात सोचते रहे हैं। वह विज्ञान के अन्य क्षेत्रों में भी तकनीकी विकास चाहते हैं।

व्यक्तित्व एवं कृतित्व- डॉ. कलाम एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं। वेशभूषा, बोलचाल के लहजे, अच्छे-खासे सरकारी आवास को छोड़कर हॉस्टल का सादगीपूर्ण जीवन, ये बातें उनके संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर एक सम्मोहक प्रभाव छोड़ती हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, देश के विकास और युवा मस्तिष्कों को प्रज्वलित करने में अपनी तल्लीनता के साथ साथ वे पर्यावरण की चिंता भी खूब करते हैं, साहित्य में रुचि रखते हैं, कविता लिखते हैं, वीणा बजाते हैं, तथा अध्यात्म से बहुत गहरे जुड़े हुए हैं। डॉ. कलाम में अपने काम के प्रति जबर्दस्त दीवानगी है। उनके लिए कोई भी समय काम का समय होता है। वह अपना अधिकांश समय कार्यालय में बिताते हैं। देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों में डॉ. कलाम की सक्रियता तथा स्फूर्ति काबिलेतारीफ है। ऊर्जा का ऐसा प्रवाह केवल गहरी प्रतिबद्धता तथा समर्पण से ही आ सकता है। डॉ. कलाम खानपान में पूर्णतः शाकाहारी व्यक्ति हैं। वे मदिरापान से बिलकुल परहेज करते हैं। उनका निजी जीवन अनुकरणीय है। डॉ. कलाम की याददाश्त बहुत तेज है। वे घटनाओं तथा बातों को याद रखते हैं।

सम्मान और पुरस्कार

डॉ. कलाम को अनेक सम्मान और पुरस्कार मिले हैं जिनमें शामिल हैं-

इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स का नेशनल डिजाइन अवार्ड

एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया का डॉ. बिरेन रॉय स्पेस अवार्ड

एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया का आर्यभट पुरस्कार

विज्ञान के लिए जी.एम. मोदी पुरस्कार

राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार।

डॉ. कलाम भारत के विशिष्ट वैज्ञानिक थे, जिन्हें 30 विश्वविद्यालयों और संस्थानों से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त हुई थी।

भारत के नागरिक सम्मान के रूप में डॉ. कलाम को 1981 में पद्म भूषण, 1990 में पद्म विभूषण, 1997 में भारत रत्न सम्मान प्राप्त हो चुके थे।

24-22 नहीं, 9 कैरेट गोल्ड की बढ़ी डिमांड, ज्वेलर्स बोले- लोग भर-भरकर खरीद रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन में सोने की खरीदारी जोर पकड़ रही है, लेकिन इस बार ट्रेंड थोड़ा अलग है। जहां पहले लोग 24 और 22 कैरेट गोल्ड खरीदते थे, वहीं अब बाजार में 9 से 18 कैरेट सोने की मांग अचानक बढ़ गई है। ज्वेलर्स का कहना है कि लोग इसे स्टाइलिश और सस्ता समझकर भर-भरकर खरीद रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर 9 कैरेट का सोना कितना शुद्ध होता है और 24 कैरेट के मुकाबले कितना सस्ता होता है? इसका इस्तेमाल कहां-कहां होता है और इन्वेस्टमेंट के लिए यह कितना सही है?

कितना शुद्ध होता है 9 कैरेट का सोना- 9 कैरेट गोल्ड में केवल 37.5% शुद्ध सोना होता है। बाकी हिस्सा तांबा, चांदी, जिंक और निकल जैसे धातुओं का मिश्रण होता है। इसी वजह से यह 24 कैरेट गोल्ड जितना मुलायम नहीं, बल्कि ज्यादा मजबूत और टिकाऊ होता है। जहां 24 कैरेट गोल्ड 99.9% शुद्ध होता है और मुख्य रूप से सिक्कों या निवेश में इस्तेमाल किया जाता है, वहीं 9 कैरेट सोना ज्वेलरी बनाने के लिए ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

इसका रंग थोड़ा हल्का पीला या गुलाबी टोन वाला होता है, जो आधुनिक डिजाइन में और आकर्षक लगता है। कीमत की बात करें तो यह 24 कैरेट गोल्ड से करीब 60-65त्न सस्ता होता है। यही वजह है कि बजट में स्टाइलिश ज्वैलरी चाहने वाले खरीदार अब 9 कैरेट की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

24 कैरेट और 9 कैरेट गोल्ड की कीमत- इंडिया बुलियन ज्वेलर एंड एसोसिएशन पर मंगलवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 125682 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। सोमवार के मुकाबले इसमें 1913 रुपए की बढ़ोतरी हुई। वहीं 9 कैरेट के सोने की कीमत 47130 रुपए प्रति 10 ग्राम है। यानी 9 कैरेट का एक ग्राम सोने की कीमत 4713 रुपए है, जो 24 कैरेट के मुकाबले काफी कम है।

शुद्धता, मजबूती और डिजाइन का कॉम्बिनेशन- त्योहारी और शादी के सीजन में फैशन ज्वैलरी डेली वेयर रिंग्स, ईयररिंग्स और लाइट नेकलेस में इसकी मांग खास तौर पर बढ़ी है। कई बड़े ब्रांड अब 9K कलेक्शन लॉन्च कर रहे हैं, क्योंकि इसमें डिजाइन की विविधता ज्यादा और लागत कम होती है। कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह बताते हैं कि, ग्राहक अब सिर्फ शुद्धता नहीं, बल्कि टिकाऊपन और डिजाइन भी देख रहे हैं और 9 कैरेट गोल्ड उसी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है।

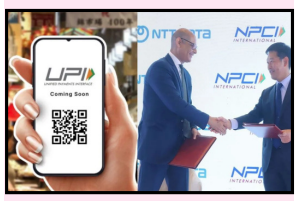

दुनियाभर में यूपीआई की धूम! कतर-फ्रांस और सिंगापुर के बाद जापान में भी होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की डिजिटल पेमेंट क्रांति अब जापान तक पहुंच गई है। कतर, फ्रांस और सिंगापुर के बाद जापान भी भारत के UPI सिस्टम को अपनाने जा रहा है। इससे भारतीय पर्यटक अब टोक्यो की दुकानों या रेस्तरां में भी क्यूआर कोड कोड स्कैन करके तुरंत पेमेंट कर सकेंगे। यह कदम सिर्फ भारत की तकनीकी ताकत ही नहीं दिखाता, बल्कि यह साबित करता है कि डिजिटल इंडिया अब ग्लोबल ब्रांड बन चुका है। और जिसने दुनिया को कैशलेस ट्रांजेक्शन का सबसे आसान मॉडल भी दिखाया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की अंतरराष्ट्रीय शाखा NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने जापान की प्रमुख आईटी और बिजनेस सर्विस कंपनी एनटीटी डेटा जापान के साथ समझौता किया है। इसका मकसद जापान में UPI पेमेंट सिस्टम को अपनाना और भारतीय पर्यटकों के लिए डिजिटल भुगतान को आसान बनाना है। एनटीटी डेटा, जापान की सबसे बड़ी कार्ड पेमेंट नेटवर्क कंपनी है, जो CAFIS सिस्टम चलाती है। यह देशभर के बैंकों, कार्ड कंपनियों, एटीएम और हजारों व्यापारियों को जोड़ती है। अब इसके जरिए जापान के तमाम व्यापारी स्थानों पर यूपीआई आधारित पेमेंट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस साझेदारी के बाद भारतीय यात्री जापान में किसी भी दुकान या रेस्तरां में क्यूओर कोड स्कैन करके सीधे UPI से पेमेंट कर सकेंगे।

तो चांदी की बढ़ती कीमतों के पीछे है ट्रंप की चाल, इस कदम से हो गई किल्लत और आसमान छू रही कीमतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी। एक ऐसी धातु जिसकी डिमांड इस समय इतनी बढ़ गई है कि इसकी शॉर्टेज हो गई है। भारत में दिवाली का त्योहार आ रहा है। धनतेरस पर लोग चांदी से जुड़ी चीजें खरीदते हैं। इस दिन सोना और चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों में ज्वेलर्स के पास चांदी ही नहीं है।

इन शहरों में रहने वाले लोगों को चांदी की ज्वेलरी हो या फिर बर्तन हो, मिल ही नहीं पा रहा है। आज यानी 14 अक्टूबर को भारत में चांदी की कीमत 176175 रुपये प्रति किलो चल रही है। चांदी इतना भाग रही है कि म्यूचुअल फंड कंपनियों ने स्द्बद्य1द्गह्-श्चड्ढस्न पर नए निवेश पर रोक लगा दी है।

चांदी की बढ़ती कीमत और डिमांड के पीछे अब डोनल्ड ट्रंप कनेक्शन निकलकर सामने आया है। दरअसल, अमेरिका ने चांदी को क्रिटिकल मिनरल्स की लिस्ट में डालने के योजना बना ली है। इसे ड्राफ्ट में डाल दिया गया है।

1 अक्टूबर को खबर आई थी कि संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की 2025 की ड्राफ्ट लिस्ट में में पहली बार चांदी को एक महत्वपूर्ण खनिज के रूप में वर्गीकृत करने का प्रस्ताव है। यह क्लासिफिकेशन चांदी को लिथियम, दुर्लभ मृदा और कोबाल्ट जैसी रणनीतिक सामग्रियों के साथ आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों के रूप में स्थापित करेगा।

चांदी के भागने के 4 बड़े कारण- चांदी की भागती कीमत और बढ़ती डिमांड के पीछे एक नहीं कई वजहें हैं। भारत में चांदी वैश्विक कीमतों के मुकाबले भारी प्रीमियम पर कारोबार कर रही है, क्योंकि दुनिया में इस कीमती धातु का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश लाखों निवेशकों की बढ़ती मांग से जूझ रहा है। वैश्विक कीमतों के मुकाबले प्रीमियम बढ़कर 10त्न तक पहुंच गया है, जिससे भौतिक रूप से समर्थित एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) ने नए सब्सक्रिप्शन स्थगित कर दिए हैं।

बीमा खरीदने का आया सही समय? कैसे 0% GST से आपका प्रीमियम हुआ सस्ता, खरीदारी में दिखा बूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार के ऐतिहासिक फैसले के तहत हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस पर तस्ज्ञ को 0% करने के बाद, ऑनलाइन इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म पॉलिसीबाजार पर अब तक का सबसे ज्यादा ट्रैफिक दर्ज किया गया है।

सितंबर 2025 तक की बेसलाइन तुलना में, प्लेटफ़ॉर्म पर हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस की मांग में कई गुना उछाल देखने को मिला है। यह वृद्धि कोविड काल के दौरान हुई बूम से भी ज़्यादा है।

GST-फ्री नियम लागू होने के बाद टर्म इंश्योरेंस की मांग में 2.5 गुना तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं हेल्थ इंश्योरेंस की मांग 2.2 गुना तक बढ़ी है।

दिलचस्प बात यह है कि यह ट्रेंड सिर्फ शुरुआती दिनों तक सीमित नहीं रहा। नीति में बदलाव के बाद भी यह ग्रोथ जारी है। वर्तमान में हेल्थ इंश्योरेंस की मांग 1.7 गुना, और टर्म इंश्योरेंस की 1.8 गुना बनी हुई है।

भारत में बीमा कवरेज अब भी वैश्विक औसत से कम है। ऐसे में सरकार का यह कदम न केवल उद्योग के लिए राहत लाया है बल्कि करोड़ों परिवारों को वित्तीय सुरक्षा की दिशा में एक ठोस कदम उठाने का मौका भी दे रहा है।

इस पर बोलते हुए, पीबी फिनटेक के ज्वाइंट ग्रुप सीईओ सरबवीर सिंह ने कहा कि, यह सिर्फ इंडस्ट्री नहीं, बल्कि देश के लिए बड़ी जीत है। इस कदम ने छिपी हुई मांग को वास्तविक खरीद में बदल दिया है।

अजब! टाटा की कंपनी और सिर्फ 24 कर्मचारी, कैसे संभाल रहे कारोबार? मार्केट कैप 51 हजार करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भी आप टाटा की किसी कंपनी का नाम सुनते होंगे तो जहन में बड़ी बिल्डिंग और हजारों, लाखों कर्मचारी की संख्या सामने आती है। जहां टाटा की TCS में 6,07,979 और टाटा मोटर्स में 86,259 कर्मचारी हैं वहीं एक ऐसी भी कंपनी है जिसमें सिर्फ 24 कर्मचारी काम करते हैं। जिसका रेवेन्यू 306 करोड़ रुपये और मार्केट कैप 51 हजार करोड़ रुपये है।

टाटा के इस स्टॉक में लगातार तेजी- यह कंपनी कोई और नहीं बल्कि टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड है। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर लगातार तेजी की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों में बड़ी तेजी का सिलसिला 18 सितंबर से शुरू हुआ, जब स्टॉक 7074 रुपये के स्तर से 6 फीसदी उछलकर 7545 रुपये पर पहुंच गया था। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के शेयर मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025 को चर्चा का विषय रहे। कंपनी के शेयर का आज 1ञ्10 के अनुपात में स्टॉक स्प्लिट भी हुआ है।

स्टॉक स्प्लिट के पहले इसका शेयर टाटा ग्रुप का सबसे महंगा शेयर था। जिसकी कीमत करीब 10,000 रुपये थी। अब स्टॉक स्प्लिट के बाद टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन शेयर की कीमत 1,026 रुपये हो गई है। इसमें आज 3.43 त्न की तेजी देखने को मिली। इसका मार्केट कैप 51,910 करोड़ रुपये है।

टाटा इन्वेस्टमेंट के बारे में- टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड कंपनी टाटा और गैर-टाटा कंपनियों में निवेश करती है, हालांकि टाटा कंपनियों में निवेश कंपनी के पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा है।

LG के बाद अब Lenskart के आईपीओ पर नजर, 510 रुपये पर पहुंची अनिलिस्टेड शेयरों की कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ की धमाकेदार लिस्टिंग के बाद अब आगे आने वाली कई कंपनियों के पब्लिक इश्यू को लेकर आम लोगों की दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। इस बीच आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड के अनलिस्टेड शेयरों की कीमत ग्रे मार्केट में 510 रुपये पर पहुंच गई है और कंपनी का वैल्युएशन 10 बिलियन डॉलर हो गया है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट में इस मामले की जानकारी रखने वालों ने इस बात की जानकारी दी है। लेंसकार्ट के शेयरों का भाव ऐसे समय में बढ़ रहा है जब कुछ ही हफ्तों में इसका आईपीओ आने वाला है।

ग्रे मार्केट वह जगह है जहां कंपनियों के शेयरों की ट्रेडिंग स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने से पहले होती है।

सूत्रों के अनुसार, लेंसकार्ट का वैल्युएशन 2024 में 5 बिलियन डॉलर था, लेकिन लेटेस्ट ग्रे मार्केट वैल्युएशन के लिहाज से यह 8-10 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन के साथ भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की संभावना है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

छिंदवाड़ा में झिरपा के प्रभारी समिति प्रबंधक को लोकायुक्त ने 59 हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। जबलपुर लोकायुक्त इकाई ने तामिया में भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। आदिम जाति एवं सेवा सहकारिता समिति मर्यादित झिरपा के प्रभारी समिति प्रबंधक को 59,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। वे आवेदक हरीश राय (26 वर्ष), निवासी झिरपा का ग्राम झिरपा में श्री हरि नाम से वेयरहाउस है। वेयरहाउस में भंडारण को सुचारू रूप से चलने देने और उसे ब्लैकलिस्ट में न डालने के एवज में आरोपी मुनीम प्रसाद पटेल (प्रभारी समिति प्रबंधक, उम्र 55 वर्ष) द्वारा आवेदक से 59,000 की रिश्वत की मांग की जा रही थी। आवेदक की शिकायत का सत्यापन होने के बाद मंगलवार को लोकायुक्त टीम ने जिला सहकारी बैंक, तामिया में दबिश दी।आरोपी मुनीम प्रसाद पटेल को ?59,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

आरोपी मुनीम प्रसाद पटेल के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 की धारा 7, 13(1)क्ष् 13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। ट्रैप दल में दल प्रभारी निरीक्षक उमा कुशवाहा, निरीक्षक रेखा प्रजापति, निरीक्षक जितेंद्र यादव और लोकायुक्त जबलपुर का दल शामिल रहा।

हर बार जुर्माना देकर बार-बार बगैर टिकट ट्रेन यात्रा करते थे, कोर्ट ने कहा जुर्माने से काम नहीं चलेगा, भेजो जेल

खंडवा। खंडवा में रेलवे टिकट के बिना यात्रा करना तीन लोगों को महंगा पड़ गया। विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट की अदालत ने ऐसे तीन आरोपितों को अर्थदंड के साथ 52 दिन के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह पहली बार है जब इस प्रकार के मामलों में कोर्ट ने केवल जुर्माने तक सीमित न रहकर सख्त सजा का प्रावधान किया है।

जानकारी के अनुसार, बुरहानपुर निवासी शेख जाकिर, नासिर और मीनाक्षी को रेलवे अधिनियम की धारा 145 (अशोभनीय आचरण), 146 (रेलवे कर्मचारी के कार्य में बाधा) और 147 (बिना टिकट रेलवे परिसर में प्रवेश) के अंतर्गत दोषी पाया गया। तीनों आरोपित पूर्व में भी कई बार बिना टिकट प्लेटफार्म और ट्रेनों में यात्रा करते हुए पकड़े जा चुके हैं, लेकिन हर बार वे जुर्माना भरकर छूट जाते थे।अर्थदंड से नहीं सुधरे, कोर्ट ने दी सख्त सजा अधिवक्ता वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि अदालत ने इस बार आरोपितों की लगातार दोहराई जा रही गतिविधियों को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने माना कि बार-बार की गई अपराधी प्रवृत्ति के चलते अब केवल अर्थदंड पर्याप्त नहीं रह गया है। इसलिए इस बार न्यायालय ने तीनों आरोपितों को अर्थदंड के साथ-साथ 52 दिन की जेल की सजा भी सुनाई है। वहीं तीनों आरोपितों को जेल भी भेज दिया गया है।

घर के दरवाजे पहुंचा मगरमच्छ, अमिलिया में दहशत, ग्रामीणों ने डंडों से भगाया

सीधी। जिले के सिहावल जनपद के अमिलिया बाजार में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सोमवार की देर रात करीब 12 बजे एक मगरमच्छ रिहायशी इलाके में घुस आया। यह वही मगरमच्छ बताया जा रहा है जो कई दिनों से बाजार के पास स्थित तालाब में रह रहा था। अचानक घर के बाहर पहुंच जाने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने डंडे और लाइट की रोशनी के सहारे उसे किसी तरह नदी की ओर भगा दिया। घटना अमिलिया के बीच बाजार स्थित तालाब से सटे रिहायशी इलाके की है।

रहस्यमय तरीके से लापता हुई छात्रा... कॉलेज के लिए निकली लेकिन नहीं लौटी घर; तलाश जारी

मैहर। जिला के अमरपाटन जनपद के ग्राम बड़खुरा निवासी 22 वर्षीय राजकुमारी सिंगरौल पिछले एक महीने से लापता है। वह 13 सितंबर की सुबह रोज की तरह अमरपाटन कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन न तो कॉलेज पहुँची और न ही घर लौटी।

स्वजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। अंततः उन्होंने थाना अमरपाटन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस ने बताया कि राजकुमारी सिंगरौल, पिता पूरन प्रसाद सिंगरौल, निवासी ग्राम बड़खुरा, पोस्ट बीदा, तहसील उचेहरा, जिला सतना की रहने वाली है। स्वजनों ने आशंका जताई है कि वह किसी परेशानी या बहकावे में आ गई हो सकती है। घटना के बाद से परिवारजन बेहद चिंतित हैं और बेटी की सलामती की दुआ कर रहे हैं। पुलिस ने शुरू की तलाश

थाना अमरपाटन पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है तथा आसपास के थानों को भी सूचना भेजी गई है। साथ ही पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को राजकुमारी सिंगरौल के बारे में कोई भी जानकारी मिले तो कृपया निकटतम थाने में सूचना दें।

पेंशनरों को दीपावली गिफ्ट... मध्यप्रदेश के साढ़े चार लाख पेंशनरों को 2त्न बढ़ी महंगाई राहत, कैबिनेट बैठक में होगा निर्णय

भोपाल। प्रदेश सरकार साढ़े चार लाख से अधिक पेंशनरों की महंगाई राहत दो प्रतिशत बढ़ाकर 55 प्रतिशत करेगी। यह वृद्धि अक्टूबर से लागू होगी। छत्तीसगढ़ सरकार की सहमति मिलने के बाद वित्त विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार किया है, जिस पर मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

राहत की मांग

प्रदेश में कर्मचारियों को एक जनवरी 2025 से 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। जबकि पेंशनरों को मार्च से 53 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत मिल रही है। पेंशनर एसोसिएशन लंबे समय से कर्मचारियों की तरह महंगाई राहत देने की मांग कर रही है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी पत्र लिखा गया था। प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ सरकार की सहमति की प्रतीक्षा कर रही थी, जो पिछले सप्ताह मिल गई। छत्तीसगढ़ ने सितंबर की पेंशन से महंगाई राहत में वृद्धि का निर्णय लिया है। इसी आधार पर वित्त विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि महंगाई भत्ता 55 से बढ़ाकर 58 प्रतिशत किया जा सकता है। भारत सरकार वृद्धि कर इसे जुलाई 2025 से लागू कर चुकी है।

सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए अहम फैसला

इसके अलावा, सोयाबीन उत्पादकों को उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलाने के लिए भावांतर योजना लागू की गई है। इसमें उपज मंडी में बेचने पर यदि वह समर्थन मूल्य से कम पर बिकती है, तो सरकार द्वारा अंतर की राशि दी जाएगी। यह सुविधा केवल पंजीकृत किसानों को मिलेगी।

सीएम के निर्देश के बाद 11 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर, एसडीओपी पूजा पांडेय समेत पांच गिरफ्तार

सिवनी। प्रदेश के सिवनी जिले के हवाला लूट कांड में सीएम मोहन यादव के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई है। सीएम के निर्देश के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसडीओपी पूजा पांडे समेत कुल 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर डकैती, गलत तरीके से रोकना, अपहरण और आपराधिक षड़यंत्र रचने के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2), 126(2), 140(3) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर लखनवाड़ा थाने में दर्ज हुई है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। जो भी ऐसा का करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एमपी सरकार नागरिकों की सुरक्षा के लिए और उनके अधिकारों को सुरक्षित रखने की दिशा में काम कर रही है।

कानून का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर होने जा रही कार्रवाई मिसाल बनेगी। उन्होंने कहा कि अपराध मुक्त मध्यप्रदेश और नागरिकों की सुरक्षा हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सख्त निर्देशों के बाद इस प्रकरण में स्ष्ठह्लक्क पूजा पांडे समेत पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, छह आरोपी पुलिसकर्मी अब भी फरार हैं जिनकी तलाश में टीमें लगातार छापामारी कर रही हैं।

गिरफ्तार आरोपीइस मामले में अब तक स्ष्ठह्लक्क पूजा पांडे, स्ढ्ढ अर्पित भैरम, आरक्षक योगेंद्र, नीरज और जगदीश शामिल को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि प्रधान आरक्षक माखन, राजेश जंघेला, रविंद्र उइके, आरक्षक रितेश वर्मा, स्न्र आरक्षक केदार और सुभाष सदाफल अब भी फरार हैं।वहीं करीब पांच अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी की गई है।

ये सभी बर्तन के कारोबार से जुड़े हुए हैं और महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। इनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं जिले के बड़े अफसरों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पुलिस वालों पर आरोप है कि उन्होंने हवाला की रकम में गड़बड़ी (खुर्दबुर्द) की। एसडीओपी पूजा पांडेय को जानकारी मिली थी कि एक कार में करीब 3 करोड़ रुपये ले जाए जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी टीम के साथ रात करीब डेढ़ बजे सीलादेही में नाका लगाया और कार को रोककर उसमें रखी रकम पुलिस की गाड़ियों में रख ली।

इस कार्रवाई के खिलाफ कारोबारी सोहन परमार और उनके साथियों ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। आरोपी पुलिसकर्मियों ने कारोबारियों से हवाला की रकम आपस में बांटने की बात कही थी। इसमें पुलिसकर्मी करीब 1.5 करोड़ रुपये अपने पास रखना चाहते थे यानी आधे पैसे पुलिस और आधे कारोबारी के बीच बांटने का सौदा हुआ। लेकिन बाद में कारोबारियों को कम रकम दी गई। इससे नाराज होकर वे फिर थाने पहुंचे।

महिला एवं बाल विभाग, शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग समन्वय के साथ कार्य करें: कलेक्टर श्री वर्मा

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की गति को बढ़ाया जाए, समय-सीमा में सभी की स्क्रीनिंग की जाए

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला गुणवत्ता निर्धारण समिति की बैठक कलेक्टर सभागृह में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने इंदौर जिले में चल रहे राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, टीकाकरण, कुपोषण नियंत्रण केन्द्र, बाल एवं महिला मृत्यु दर सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले के स्वास्थ्य संस्थाओं में निर्माण एवं संधारण की प्रगति रिपोर्ट भी देखी। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय और श्री रिंकेश वैश्य, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी, जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. शांता स्वामी भार्गव, एडीएम सुश्री निधि वर्मा, एसडीएम श्री घनश्याम धनगर, संयुक्त कलेक्टर श्री रोशनी पाटीदार, स्वास्थ्य अधिकारी श्री तरुण गुप्ता, श्रम विभाग की अधिकारी श्रीमती मेघना भट्ट सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को गंभीरता से लें। क्षय रोग मरीजों को अस्पताल आने से पहले ही उनका चिन्हांकन कर लिया जाए। क्षय रोग मरीजों के परिजनों के साथ-साथ उनके संपर्क में आने वाले लोगों की भी स्क्रीनिंग की जाए। जिले में क्षय रोग के हॉटस्पॉट पर अधिकारी कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम की गति बढ़ायी जाए। साथ ही लार्वा टीमों की संख्या भी बढ़ायी जाए। अंधत्व निवारण कार्यक्रम के वार्षिक लक्ष्य को तय समय-सीमा में प्राप्त करें। सभी शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य संबंधी जांच की जाए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकताओं में से एक है और यह कार्य संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए। इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग आदि विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। विशेषकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, एएनएम प्राथमिकता के साथ कार्य करें। अधिकारी मैदान में जाकर कार्य देखें और उसकी सतत मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर श्री वर्मा ने जिला चिकित्सालय, नंदा नगर अस्पताल, पीसी सेठी अस्पताल सहित जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम गत 20 जून से चल रहा है जो 30 नवम्बर तक जारी रहेगा। इस अभियान में अब तक इंदौर जिले में 8 लाख लोगों की टीबी स्क्रीनिंग होना है, जिसमें से 5 लाख 9 हजार 255 लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। वर्तमान में इंदौर जिले में 4 हजार से अधिक सक्रिय क्षय (टीबी) रोगी है। इंदौर जिले की 334 ग्राम पंचायतों में से 133 ग्राम पंचायतों को क्षय रोग (टीबी) मुक्त घोषित कर दिया गया है। शेष पंचायतों में अभियान चल रहा है।

लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाए गोवर्धन पर्व - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 21 अक्टूबर को गोवर्धन पर्व लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाए। आयोजन में गौशालाओं तथा पशुपालकों को विशेष रूप से सहभागी बनाया जाए। साथ ही गोवर्धन पर्व पर पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां दर्ज करने और नवाचार करने वाले उद्यमियों को सम्मानित भी किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव गोवर्धन पर्व आयोजन के संबंध में सोमवार को मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश की गौ-शालाओं में गोवर्धन पर्व का सामुदायिक आयोजन होगा। गोवर्धन पर्व का मुख्य आयोजन रवीन्द्र भवन भोपाल में किया जाएगा, जिसमें गोवर्धन पूजन, परिक्रमा, अन्नकूट भोग मुख्य होगा। इस अवसर पर पशुचारक समुदायों की कला, बरेदी और ठाट्या नृत्य आदि का प्रस्तुतीकरण होगा। कार्यक्रम में जैविक उत्पादक, दुग्ध उत्पाद, गोबर आधारित शिल्प के स्टॉल लगाए जाएंगे, साथ ही पशुपालन, कृषि, सहकारिता विभाग की योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष व्यवस्था होगी।

सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराया जरूरी

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना को लेकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में इंदौर संभाग में सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में इंदौर संभाग के सभी कलेक्टर्स और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शामिल हुए। इंदौर से कलेक्टर शिवम वर्मा, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन, संयुक्त संचालक मण्डी बोर्ड श्रीमती प्रवीणा चौधरी आदि शामिल हुए।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने संभाग के सभी कलेक्टर्स और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसानों को सोयाबीन फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो। भावांतर योजना का अच्छी तरह प्रचार-प्रसार किया जाये। सभी पंजीयन केन्द्रों, मण्डी एवं उप मण्डियों पर होर्डिंग्स, बैनर आदि लगायें। सभी विक्रय केन्द्रों पर किसानों के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। अब योजना में पंजीयन के 3 दिन शेष है, अब भी शेष रहे किसानों तक प्रशासन अपनी पहुँच बना कर पंजीयन में सक्रियता रखें। इसके अलावा खरीदी 24 अक्टूबर से प्रारम्भ होना है। सभी कलेक्टर सेकंड फेज की तैयारी निश्चित रूप से कर ले। मण्डी स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित करें तथा इसका संचालन त्वरित गति से हो। मण्डीवार एसओपी का निर्धारण एवं ट्रेफिक प्रबंधन, नीलामी तौल, सीसीटीवी रिकार्डिंग संधारण, ऑनलाईन भुगतान, कृषक शिकायतों का तत्काल निराकरण आदि का निर्धारण सुनिश्चित करें। सभी मण्डियों एवं उप मण्डियों में संभावित आवक को देखते हुए ट्रेफिक प्रबंधन के समुचित उपाय किये जाये। इस संबंध में ट्रेफिक पुलिस के साथ समन्वय के साथ कार्य करें। पार्किंग व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाये। उप मण्डी प्रांगणों में ई-मण्डी हेतु पीओएस मशीन, इन्टरनेट की व्यवस्था, इलेक्ट्रानिक तौल कांटा, व्यापारियों की उपलब्धता एवं आवश्यकतानुसार कर्मचारियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित करें।

बैठक में डॉ. खाड़े ने निर्देशित करते हुए कहा कि सोयाबीन खरीदी भावांतर भुगतान योजना के तहत कृषकों को पूर्ण ऑनलाईन भुगतान बैंक खाते में ही प्राप्त होगा। इस बारे में कृषकों को मध्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से सूचित किया जाये। योजना का लाभ केवल मण्डी प्रांगण और उप मण्डी प्रांगण में फसल के विक्रय पर ही प्राप्त होगा।

101101 की राशि पत्रकार कल्याण कोष में श्री पटेल द्वारा देने की घोषणा

इन्दौर। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा इन्दौर प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारी पत्रकारों का सम्मान एवं मीडिया का अभिवादन किया गया। इस अवसर पर इन्दौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक कर्दम की मांग पर अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने 101101 की राशि पत्रकार कल्याण कोष में देने की घोषणा की। श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए पूरा पटेल परिवार पत्रकार परिवार के लिए हमेशा खड़ा रहेगा। मेरे पिता पूर्व मंत्री स्व. रामेश्वर पटेल भी हमेशा पत्रकारों के लिए हर संभवन मदद के लिए तत्पर रहते थे।

जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर कराएं विकास कार्य- मंत्री श्री सिलावट

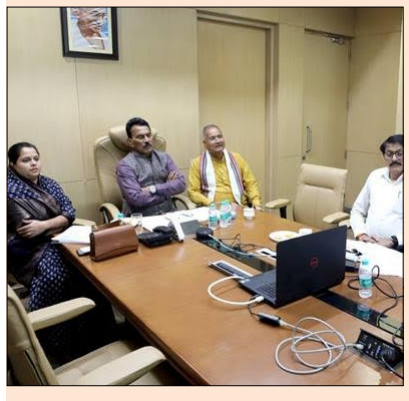

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि अधिकारी शासकीय विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर कार्य करें। उन्हें कार्यों की जानकारी दें तथा उनके सुझावों पर भी अमल किया जाए। जल संसाधन मंत्री सोमवार को मंत्रालय भोपाल में पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत कुंभराज परियोजना संबंधी बैठक ले रहे थे।

बैठक में सांसद राजगढ़ श्री रोडमल नागर, विधायक चाचौड़ा श्रीमती प्रियंका पेंची, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन श्री राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता श्री विनोद देवड़ा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर गुना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना के रूप में मध्यप्रदेश को एक बड़ी सौगात दी है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी का नदी जोड़ो का सपना मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में साकार हो रहा है। यह अनूठी परियोजना है जिसमें केंद्र सरकार द्वारा 90त्न राशि दी जा रही है, राज्य सरकारों को केवल 10त्न राशि वहन करनी है। इसके पूरा होने पर क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी। हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाना हमारी सरकार का संकल्प है।

बैठक में बताया गया कि संशोधित पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना से मध्यप्रदेश में 6 लाख 11 हज़ार 50 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा के साथ 40 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। इस परियोजना के एक घटक के रूप में कुंभराज परियोजना सबसे बड़ी परियोजना है। परियोजना से सबसे ज्यादा लाभ गुना जिले की विधानसभा क्षेत्र चाचौड़ा के किसानों को होगा। बैठक में तकनीकी रूप से उपयुक्त स्थल पर ही निर्माण कार्य किये जाने के निर्देश दिये गये।

रोजगार मेले में 162 युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में मिला रोजगार

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार आवेदकों को एक छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र इंदौर के सामूहिक प्रयास से आज संयुक्त रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन किया गया। यह आयोजन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नंदा नगर में सम्पन्न हुआ। इस युवा संगम कार्यक्रम में कुल 22 कंपनियों के 500 विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु इनके प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार लेकर रोजगार और अप्रेंटिसशिप हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन किया गया।

जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में कुल 294 उम्मीदवारों ने पंजीयन कराया था, जिसमें से कुल 162 (133 युवक एवं 29 युवतियों) का प्रारंभिक रूप से फार्मासिस्ट, एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, डिजिटल मार्केटिंग, टेलीकॉलर, बेक ऑफिस, ट्रेनी, फीटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, कोपा, टर्नर, ऑपरेटर आदि पदों के लिए चयन किया गया।

रोजगार मेले में जिला उद्योग केंद्र के मैनेजर द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 20 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही स्वरोजगार हेतु प्रकरण तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। शासन की अप्रेन्टिशिप योजना अंतर्गत 09 आवेदकों का चयन कर कंपनी में भेजे गये। उक्त कार्यक्रम तीनों विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की सहभागिता से सफलतापूर्वक संपन्न कराया। संभागीय आईटीआई के प्राचार्य श्री जी.एस. शाजापुरकर ने आभार व्यक्त किया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन को स्वच्छता सर्वेक्षण अन्तर्गत राज्य स्तरीय अवार्ड से किया गया सम्मानित

3 लाख से 10 लाख की श्रेणी में उज्जैन को राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त होने पर मिला राज्य स्तरीय अवार्ड

उज्जैन- मंगलवार को भोपाल स्थित रविंद्र भवन में 5वें राज्य स्तरीय स्वच्छता सम्मान समारोह एवं सह कार्यशाला का आयोजन मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यआतिथ्य एवं राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री संकेत भोंडवे की गरिमाय मय उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश के नगरिय निकायों को स्वच्छता सर्वेक्षण अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने एवं प्रदेश को राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाने पर राज्य स्तरीय अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन नगर निगम को सुपर स्वच्छता लीग में 3 से 10 लाख की जनसंख्या में प्रथम आने राज्य स्तरीय अवार्ड प्रदान किया गया। अवार्ड महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा तथा पूर्व निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा प्राप्त किया गया।

इस दौरान एमआईसी सदस्य श्री सत्यनारायण चौहान, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, स्वच्छता निरीक्षक श्री अजय दावरे एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे।

छात्र छात्राओं को समझाया सहकारिता का अर्थ

उज्जैन। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत, स्कूली छात्र छात्राओं में सहकारिता का अर्थ एवं विभागीय उद्देश्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से संबंधित भव्य कार्यक्रम सहकारिता विभाग संभाग उज्जैन एवं जिला सहकारी संघ उज्जैन द्वारा 14 अक्टूबर को आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर सप्तरंगी ध्वज झंडावदन कर, सहकारी गीत का वाचन किया एवं एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ताजपुर के स्कूल प्रांगण में पोधारोपण कर व मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण व कर किया गया। संचालन करते हुए, सहकारिता विभाग के अंकेक्षण अधिकारी संजीव शर्मा द्वारा छात्र छात्राओं एवं उपस्थित सहकारी सदस्यों को सहकारिता संबंधी आवश्यक जानकारी के साथ सहकारिता विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ग्राम ताजपुर के सरपंच मांगीलाल मालवीय ने कहा कि सहकारिता विभाग और जिला संघ के द्वारा इस प्रकार के आयोजन पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यकम स्कूलो में किया जाना चाहिये, जिससे की नई पीढ़ी को सहकारिता का ज्ञान मिल सकें। साथ ही आपने कहा कि सहकारिता का एक पाठ्यक्रम को कोर्स में विस्तृत रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता विभाग संभाग उज्जैन के ए. के. सिंह ने कहा कि सहकारिता का एक विस्तृत स्वरूप है, जिसके अंतर्गत बहुउद्देश्शीय कार्य योजनाएँ समाहित है जिसका लाभ सभी को लेना चाहिये। विशेष अतिथि उपायुक्त सहकारिता के. पाटनकर ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के प्रति समर्पित होकर अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपना व अपने परिवार, समाज व देश का नाम रोशन करें, आपने मोबाईल के संबंध में बच्चो से कहा कि जजरूरत होने पर ही उसका उपयोग करें, अन्यथा नहीं।

युवा उत्सव से प्रतिभागिता छात्राओं की बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता में वृद्धि होती है - डॉ. अजय भार्गव

उज्जैन। कालिदास कन्या महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित, आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ के तहत तीन दिवसीय महाविद्यालयीन युवा उत्सव का समापन हुआ। युवा उत्सव के समापन पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजय भार्गव ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि युवा उत्सव में प्रतिभागिता छात्राओं की बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता को बढ़ाती है, उनकी रचनात्मकता को विकसित करती है और उन्हें संस्कृति के प्रति जागरूक रखती है।

उज्जैन कोचिंग संगठन सनातनी परिवार का हुआ दशहरा मिलन समारोह

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी उज्जैन कोचिंग संगठन सनातनी परिवार का भव्य पारंपरिक गरबा एवं दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आगंतुक अतिथि के रूप में भाजपा नगर जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल, नगर निगम सभापति मातृशक्ति कलावती यादव, भाजपा नगर महामंत्री कमल बैरवा, आनंद खिंची, भाजपा नगर उपाध्यक्ष कल्याण शिवहरे, भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक अजय जागरी एवं जिला संयोजक जीएल परमार, वरिष्ठ कोचिंग संचालक वरुण गुप्ता, भूषण खुल्लर, चंद्रकांत बिवरे मौजूद थे। समारोह की शुरुआत में अतिथियों ने जगत जननी माताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित किये एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं के परिवार सहित भव्य आरती कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके पश्चात कोचिंग संचालकों ने अतिथियों को माला एवं संव्यान पहनाकर आतिथ्य सत्कार किया। तत्पश्चात अतिथियों के मार्गदर्शन के रूप में विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के लिए समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं के समक्ष लव जिहाद, स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव जैसे विषयों पर परिचर्चा की गई फिर समस्त कोचिंग संचालक परिवार एवं अतिथियों द्वारा भव्य गरबा उत्सव किया गया।

अखिल भारतीय आशा कार्यकर्ता कर्मचारी महासंघ जिला उज्जैन द्वारा आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी प्रमुख मांगो को लेकर विशाल रैली निकलकर ज्ञापन सौंपा

उज्जैन। अखिल भारतीय आशा कार्यकर्ता कर्मचारी महासंघ जिला उज्जैन द्वारा आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी प्रमुख मांगो को लेकर विशाल रैली सोमवार को निकाली। रैली के रूप में आशा कार्यकर्ताओ ने कोठी स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। विगत 30 एवं 31 अगस्त 2025 को अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ (भारतीय मजदूर संघ की इकाई) की बालाघाट (मध्यप्रदेश) में राष्ट्रीय कार्यसमिति की सम्पन्न बैठक में प्रदेश के कई राज्यों से महासंघ के पदाधिकारी उपस्थित हुए।

आशाओ की समस्याओं के सम्बंध में गहन चर्चा एवं विचार-विमर्श के बाद एक प्रस्ताव पारित किया। पारित प्रस्ताव के अनुसार देश के समस्त जिला मुख्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर हम सभी आशा बहनें अपने समस्याओं के समाधान हेतु महासंघ में पारित प्रस्ताव सहित मांग पत्र देकर ज्ञापन दिया। कलेक्टर उज्जैन के माध्यम से भारतीय मजदूर संघ आशा फेडरेशन के बहनें प्रतिनिधि मण्डल के द्वारा प्रधानमंत्री, भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल को ज्ञापन प्रेषण किया गया। और निवेदन किया कि आशा बहनों के समस्याओं का त्वरित समाधान करने हुए निदान करेंगें।

इस ज्ञापन एवं मांग पत्र पर सार्थक व उचित कार्यवाही करेंगें। मादी सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार मंत्रालय के अधीन पूरे देश में संकलित योजना (एनएचएन) में लगभग 10 लाख 22 हजार 265 कार्यरत है। इन आशा कर्मियों क द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को उनके स्वास्थ्य सम्बन्धी सावश्यकताओं की जानकारी देने, उन्हें प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने, आवश्यक सेवाओं के प्रयोग के लिए परामर्श एवं व्यवस्था देने जटिल प्रकरण को संदर्भित करने तथा स्वास्थ्य सेवा केन्द्र तक पहुंचाने में मदद करने, लोगों को साफ-सफाई एवं स्वच्छता का महत्व बताने, स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय आदि बनाने में मदद करने जैसे कार्य सामान्य रूप से इनके द्वारा किये जाते हैं। 11 सितम्बर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विडियो कान्फ्रेन्स के जरिये आशा वर्करों से वार्तालाप करते हुए, आशा वर्कर्स के इन्सेन्टिव को दो गुना करने का एलान किया। किन्तु तदाशय के सम्बन्ध में जब सम्बन्धित मंत्रालय से पत्र निर्गत हुआ तो उसमें केवल टीन एवं रेकरिंग प्रकृति के अन्तर्गत संचालित पाँच प्रकार के गतिविधि/कार्यों हेतु मिलने वाला इन्सेन्टिव जो रु.1000/- था वह बढ़ाकर रु.2000/- कर दिया गया। शेष गतिविधिध्कार्यों हेतु वर्तमान में निर्धारित इन्सेन्टिव की राशिध्दर को ही यथावत रखा गया है इसमें काई बढ़ोत्तरी नहीं की गई है।

खेलों में युवाओं को आगे लाने के लिये जज़्बा प्रीमियर लीग 5 नवंबर को

उज्जैन। प्रगतिशील मुस्लिम सामाजिक संगठन जज़्बा सोशल फाउंडेशन उज्जैन द्वारा खेलों में युवाओं को आगे लाने के उद्देश्य से एक दिवसीय जज़्बा प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है।

संस्था के ज़मीर उल हक और नईम खान ने बताया कि 5 नवंबर को वाकणकर ब्रिज हरिफाटक फोरलेन के पास सांवरा खेड़ी में स्थित गॉडजिला स्पोर्ट्स टर्फ पर इस टर्फ क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 5 नवंबर दोपहर 2 बजे से किया जा रहा है। इसमें एंट्री निःशुल्क है और आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। फरीद कुरेशी और इरशाद नागौरी ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता टीम को 11000/ और उप विजेता टीम को 5500/ का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। असलम मंसूरी और इंजीनियर जावेद कुरेशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में मेन ऑफ द मैच मेन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर ऑफ द सीरीज, आदि अन्य आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे। ज़फ़र आलम अंसारी और हारून नागौरी ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को आधार कार्ड के अनुसार 25 अक्टूबर 2025 को 19 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए। फैज़ जाफरी और शाहब उद्दीन भुरू शेख ने बताया कि एक मोहल्ले से एक टीम को प्राथमिकता दी जाएगी। समीर उल हक और मंसूर हुसैन ने बताया कि पहले आवेदन जमा करने वाली 16 टीमों को ही एंट्री दी जाएगी। गुलरेज खान और इमरान खान गोल्डन ने बताया कि इस अवसर पर मैत्री मैच भी खेले जाएंगे। संस्था के वसीम अब्बास, अत हर आलम अंसारी, इंसाफ कुरेशी, आरिफ खान, सलमान कुरेशी, अरशद खान, सरफराज हुसैन, डॉ फ़ज़ील सिद्दीकी, डॉ इकराम शेख, सलीम देहलवी, आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com